आज की अव्यक्त वाणी का सार और बाप समान बनने का सहज पुरुषार्थ Date:23-11-14

हमें सदा सूर्यवंशी के अधिकारी बनाने वाले, अपने ज्ञान, गुणों और शक्तिओ से भरपूर कर आप समान बनाने वाले, बापदादा ने कहा अब चंद्रवंशी की बाउन्ड्री को पार कर सदा के लिए सूर्यवंशी बनो.

बाबादादा अभी हम बच्चों को सदा के लिए सूर्यवंशी स्टेज में रहते देखना चाहते है. इसलिए आज अव्यक्त मुरली में हम ब्राह्मण आत्माओं की सूर्यवंशी और चंद्रवंशी स्टेज के अन्तर को बहुत स्पष्ट करके समझाया हैं. जिसे की हम आत्माये स्वयं में चेक करके अपनी स्टेज को सदा के लिए बाप समान, सूर्यवंशी बनाये.

सूर्यवंशी और चंद्रवंशी आत्मा में मुख्य अन्तर - सूर्यवंशियों के संकल्प और स्वरूप में ज्यादा अन्तर नहीं है. जब की चंद्रवंशी के संकल्प और स्वरूप में ज्यादा फर्क हैं. संकल्प दोनों आत्माये १०० प्रतिशत पावरफुल करती है लेकिन स्वरूप में लाने में फर्क हो जाता हैं.

सूर्यवंशी की अवस्था -- सदा मास्टर ज्ञान सूर्य अर्थात पावरफुल स्टेज बीजरुप अवस्था में रहते अथवा सेकेण्ड स्टेज अव्यक्त फरिश्ते के रुप में ज्यादा रहते हैं.

चंद्रवंशी की अवस्था -- मास्टर ज्ञान सूर्य अर्थात बीजरुप अवस्था में कम ठहर सकते - क्योंकि व्यर्थ संकल्पों का किचड़ा, माया के विघ्न रुप बन कर बिजरुप अवस्था में ठहर ने नहीं देते. लेकिन फरिश्ते स्वरूप की स्टेज में, जिसमें विश्व की आत्माओं और प्रकृति के पांच तत्वों को दान देने के संकल्प चलाने होते है उसमें चंद्रवंशी रह सकते हैं. लेकिन एक ही संकल्प में स्थित होने का बिजरुप अवस्था का अभ्यास कम हैं.

सूर्यवंशी आत्मा की प्रैक्टिकल जीवन की धारणाओं के चिन्ह -

१. सदा बाप के साथ और सर्व सम्बन्ध की अनुभूतियों में लवलीन रहेंगे.

२. सदा चढ़ती कला का अनुभव करेंगे. (संपूर्ण पवित्र जीवन)

३. सदा माया से विजयी होंगे.

४. सदा अपने बाप के गुण में साकार रुप में अनुभवी होते और औरों के आगे भी प्रत्यक्ष होते.

५. सदा बेहद के सेवाधारी स्वयं को लाइट हाउस माइट हाउस अनुभव करेंगे.

६. कर्म और पुरुषार्थ की गति में साकार ब्रह्मा बाप समान होंगे.

७. मन-बुद्धि से महान त्यागी वा सर्वस्व त्यागी होंगे. सर्वस्व त्यागी का अर्थ ही है संस्कार रुप में भी विकारों के वंश का त्याग.

८. सदा निश्चय बुद्धि का प्रत्यक्ष स्वरूप. सदा निश्चिन्त और सदा स्वयं को कल्प-कल्प के निश्चित विजयी का अनुभव करेंगे.

९. सदा विश्व कल्याण की जिम्मेदारी को निभाते हुए भी सदा डबल लाइट रुप होंगे.

१०. सदा अपनी वृति और वायब्रेशन की किरणों द्वारा अनेक आत्माओं को स्वस्थ अर्थात स्वस्मृति में स्थित रहने का अनुभव करायेंगे.

११. सदा अपने प्राप्त हुए खजानों को सर्व के प्रति महादानी और वरदानी बनकर दान करेंगे.

१२. विशेष दो निशानियॉ - १. सदा निर्वाण स्थिति में स्थित होकर वाणी में आना. २. सदा स्थिति में स्वमान में रहेंगे और बोल और कर्म में निर्माण भाव होंगे.

<u>चंद्रवंशी आत्मा की प्रैक्टिकल जीवन की धारणाओं के चिन्ह</u> -

चंद्रवंशी उपर बताई सब बातों में ५०-५० प्रतिशत होंगे. कभी समर्थ, कभी व्यर्थ. कभी महान, कभी साधारण. कभी महावीर कभी सहारा लेने वाले बन जाते हैं.

अब सभी हम अपने में चेक करें की हम इसमें कहा हैं. अभी चंद्रवंशी ही है या सूर्यवंशी में आ गये है लेकिन फाइनल मंज़िल पर नहीं पहुँचे है.

ॐ शांति.